हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार, 15 जुलाई 2025

11 सिहमा नर्सरी में 20 हजार एवं लहरोदा नर्सरी में 70...

12 शाम को बरसात, तापमान में गिरावट होने से गर्मी से...

MR DEGREE COLLEGE
।। तमसो मा ज्योतिर्गमय ।।
Affiliated to Indira Gandhi University, Meerpur (Rewari)
GET UPTO 100% SCHOLARSHIP
COURSE AVAILABLE
B.SC. (Medical) / B.SC. (Non-Medical)
B.A. / B.COM / M.SC. (Phy. & Chem.)
B.Ed. / JBT / D-PHARMA
ADMISSION OPEN
Session 2025-26
For Admission Visit College Campus
Bus Facility Available From All Routes
MITTERPURA (M/GARH) HRY.
9466886066, 9416903367, 9416903021
mrcollegemitterpura@gmail.com

प्रत्येक तिमाही में होगी स्कूल सुरक्षा समिति की बैठक, निदेशालय ने मांगी रिपोर्ट

स्कूलों में बच्चों के सुरक्षित परिवहन, सीसीटीवी निगरानी, शिकायत निवारण, यौन शोषण एवम उत्पीड़न के संबंध में जागरूकता, साइबर क्राइम सुरक्षा आदि मामलों पर निगरानी के लिए गठित की गई है स्कूल सुरक्षा समिति, जनवरी 2023 में भी जारी किए थे निर्देश, नहीं हुई थी पालना, अब सख्ती से जारी किए आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

प्रदेश के शिक्षा महानिदेशक (माध्यमिक शिक्षा) ने जिला स्कूल सुरक्षा समिति की प्रत्येक तिमाही में बैठक आयोजित करने और उसकी रिपोर्ट निदेशालय को भेजने के निर्देश दिए हैं। आठ जुलाई को जारी पत्र में निदेशक माध्यमिक शिक्षा ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि स्कूलों में बच्चों के सुरक्षित परिवहन, सीसीटीवी निगरानी, शिकायत निवारण, यौन शोषण एवम उत्पीड़न के संबंध में जागरूकता, साइबर क्राइम सुरक्षा आदि मामलों पर निगरानी के लिए गठित जिला स्कूल सुरक्षा समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में की जाएगी।

इसके लिए दो वर्षों पहले भी एसीएस डॉ महावीर प्रसाद ने 23 जनवरी 2023 को भी एक पत्र जारी किया था, किन्तु अधिकांश जिलों में सुरक्षा समिति की बैठक नियमित नहीं हो पाई। अब पुनः शिक्षा विभाग ने सख्त आदेश जारी कर सुरक्षा समिति को सक्रिय कार्य करने और समीक्षा बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

क्या है स्कूल शिक्षा समिति

राजकीय एवं निजी स्कूलों में विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा 'विद्यालय सुरक्षा समिति' का गठन किया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। जिसमें विभिन्न सुरक्षा उपाय और दिशानिर्देश शामिल हैं। इस संदर्भ में प्रत्येक जिले में एक जिला स्कूल सुरक्षा समिति को प्रत्येक तिमाही में बैठक आयोजित करने के लिए निर्देशित किया गया है, जिसमें स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों की सुरक्षा की समीक्षा की जा सके।

पूर्व में भी जारी हो चुके हैं पत्र

निदेशक माध्यमिक शिक्षा ने पूर्व में जारी पत्र क्रमांक 8/193-2017 दिनांक 23 जनवरी 2023 को संलग्न करते हुए बताया कि पूर्व में भी इसके लिए आदेश जारी किए जा चुके हैं। पत्र में कहा गया है कि राज्य में शिक्षा ग्रहण कर रहे प्रत्येक बच्चे की सुरक्षा का दायित्व राज्य सरकार का है। इसके लिए खण्ड स्तर से लेकर राज्य स्तर तक विभिन कमेटियां गठित कर सुरक्षित वाहन पॉलिसी और अन्य मामलों की समीक्षात्मक व्याख्या जरूरी है। यह निर्णय लिया गया है कि जिला समिति की बैठक त्रैमासिक रूप से आयोजित की जाए तथा ऐसी बैठक की कार्यवाही भी इस कार्यालय को भेजी जाए, जिसमें समिति के किसी भी प्रस्तावित अध्यक्ष द्वारा किसी भी दोषी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। बार बार पत्र भेजने के बाद भी जिला स्तर पर अधिकारी इसमें रुचि नहीं ले रहे हैं। अब एडिशनल चीफ सैक्रेटरी ने प्रत्येक तिमाही में बैठक का निर्देश दिया तो जिला स्तर तक अधिकारी हरकत में आएं हैं।

क्या कहते है डीईओ

कार्यकारी डीईओ सुनील दत्त ने बताया कि उच्च अधिकारियों की ओर से जारी किए निर्देश की सख्ती से पालना करवाई जाएगी।

अटेली क्षेत्र में हुई अलग-अलग दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र में हुई दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। रेवाड़ी जिले के गांव ढाणी शोभापुर निवासी 23 वर्षीय उमाशंकर अपने ई-रिक्शा से देर रात्रि अटेली से अपने गांव जा रहा था कि नारनौल-रेवाड़ी सड़क मार्ग पर अटेली के आस्था वाटर पार्क के समीप किसी अज्ञात वाहन चालक ने टक्टर मार दी। एंबुलेंस की सहायता से उमाशंकर को अटेली सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरी घटना अटेली–कनीना सड़क मार्ग पर गांव राता के समीप हुई, जहां डंपर चालक ने एक टेम्पू को टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार सिलारपुर (कटकई) निवासी 40 वर्षीय मुकेश कुमार अपने टेम्पू से सुबह नौ बजे अटेली आ रहा था कि राता गांव के समीप अज्ञात वाहन चालक ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। अटेली पुलिस ने दोनों ही शवों का नारनौल सामान्य अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

खबर संक्षेप

जल जागरूकता व जल गुणवत्ता कार्यक्रम हुआ

मंडी अटेली। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग और जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन की ओर से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिहमा एवं सिलारपुर में जल जागरूकता तथा जल गुणवत्ता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यवाहक प्राचार्य मुकेश कुमार द्वारा की गई। इस मौके पर विभाग की ओर से खंड संसाधन संयोजक धर्मेंद्र ने उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जल जीवन मिशन व जल गुणवत्ता के बारे में जानकारी देते हुए बताया जल गुणवत्ता बनाए रखने में सभी का सहयोग जरूरी है। रासायनिक तत्वों के उपयोग से मानव शरीर पर होने वाले प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

स्याणा में भंडारे का आयोजन

कनीना। गांव स्याणा में बाबा कुशालदास की स्मृति में रात्रि जागरण व भंडारे का आयोजन किया। इस समारोह के मुख्यातिथि जिला पार्षद प्रमुख डॉ. राकेश कुमार थे। रविवार रात्रि रामधन गोसवामी कागसर की ओर से धार्मिक भजन प्रस्तुत किए। वहीं सोमवार को हवन के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर कमेटी के प्रधान सोमदत्त ने बताया कि स्मृति में प्रतिवर्ष जागरण व भंडारे का आयोजन किया जाता है।

करीरा व खेड़ी में किया पौधरोपण

कनीना। मानसून की बारिश होने के बाद क्षेत्र में पौधरोपण का कार्य प्रारंभ हो गया है। सब डिवीजन के लगभग अधिकांश गांवों में पंचायती भूमि पर पौधरोपण किया जा रहा है। सोमवार को करीरा गांव के ग्रामीणों ने गांव के पार्क में विभिन्न प्रजाति के दर्जनभर पौधे लगाए। पौधारोपण में महिलाओं का भी सहयोग रहा। उनकी देखरेख का भी संकल्प लिया है।

अटल मिशन योजना-2 के तहत होगा निर्माण, एक वर्ष में बनकर होंगे तैयार

14 करोड़ रुपये में बनेंगे तीन नए बुस्टिंग स्टेशन, महेंद्रगढ़ शहर की बुझेगी प्यास

- राजकीय महाविद्यालय के नजदीक व लघु सचिवालय के बुस्टिंग स्टेशनों का शुरू हुआ काम, हुड्डा पार्क में टैंक का निर्माण कार्य जल्द होगा शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर में जल्द ही पेयजल किल्लत से निजात मिलने वाली है। जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से शहर में अटल मिशन योजना-2 के तहत 14 करोड़ रुपये की लागत से तीन नए बूस्टिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। लघु सचिवालय व राजकीय महाविद्यालय के समीप बनने वाले बूस्टिंग स्टेशन का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। हुड्डा पार्क में बनने वाले बूस्टिंग स्टेशन का निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा। बता दें कि जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से गर्मी के मौसम पेयजल किल्लत को देखते हुए मई माह में एस्टीमेट बनाकर उच्च अधिकारियों को भेज दिया गया था। स्वीकृति मिलते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अब बूस्टिंग स्टेशनों का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। दो माह के दौरान निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। इसके अलावा गांव देवास व चितलांग में दो बड़े टैंक बनाए जाएंगे। दिसंबर माह तक दोनों टैंक का निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। नए टैंक बनने के बाद शहर को करीब तीन दशक तक पेयजल किल्लत से निजात मिलेगी।

महेंद्रगढ़। राजकीय महाविद्यालय के समीप निर्माणधीन बूस्टिंग स्टेशन। फोटो : हरिभूमि

देवास में बने चार टैंक से शहर में होती है पेयजल सप्लाई

तीन दशक पहले शहर की करीब 20 हजार की आबादी के लिए गांव देवास स्थित परियोजना बनाई गई थी। इसमें चार वाटर टैंक बनाकर चार किलोमीटर भूमिगत पाइप लाइन दबाकर शहर में बने बूस्टिंग स्टेशन से पेयजल आपूर्ति की जाती है। तीन दशक में आबादी 80 हजार तक पहुंच गई है। इसके कारण शहर में हर वर्ष पेयजल की समस्या बढ़ने लगी है। गांव देवास में करीब दस एकड़ भूमि पर बने नहरी पानी आधारित चार जलघरों से शहर में पेयजल आपूर्ति होती है। इसकी क्षमता महज 85 लाख लीटर होने के कारण शहर की आबादी के लिए 14 दिन का पानी स्टोर हो सकता है। नहरी पानी के अभाव में सप्ताह के बाद पानी की राशनिंग शुरू कर दी जाती है।

शहर के तीन स्थानों पर टैंक बनाया जाएगा

शहर के राजकीय महाविद्यालय के नजदीक बूस्टिंग स्टेशन पर नया टैंक बनाया जा रहा है, जिसमें चार लाख 25 हजार 250 पानी स्टोर करने क्षमता होगी। इस टैंक की लंबाई 3.50 मीटर लंबाई, नौ मीटर चौड़ाई तथा 3.50 मीटर गहरा बनाया जाएगा। इस बूस्टिंग स्टेशन पर पहले से बने टैंक में पानी स्टोरेज की दो गुणी क्षमता होगी। लघु सचिवालय महेंद्रगढ़ के बूस्टिंग स्टेशन पर दो लाख 60 हजार पानी स्टोरेज करने की क्षमता होगी। इस टैंक की लंबाई 10.30 मीटर लंबाई, सात मीटर चौडाई, 3.50 मीटर गहरा बनाया गया है। इस बूस्टिंग स्टेशन पर पुराने टैंक की पानी स्टोरेज से डेढ़ गुणा अधिक क्षमता का पानी स्टोरेज किया जा सकेगा। हुड्डा पार्क के बूस्टिंग स्टेशन पर एक लाख 65 हजार की क्षमता के पानी स्टोरेज का टैंक बनाया जाएगा। इसकी 8.50 मीटर लंबाई, 5.30 मीटर चौडाई, 3.50 मीटर गहरा बनाया जाएगा। इसके अलावा पुराने मशीनों की जगह नए मशीने लगाना, पुराने टैंकों की मरम्मत कार्य व सफाई का कार्य किया जाएगा। गांव देवास में तीन एकड़ में टैंक का निर्माण किया जाएगा। जहां पर टैंक बनाया जाएगा वहां पर पेड़ों की कटाई के लिए वन विभाग से स्वीकृति मांगी गई है। वहीं दूसरा टैंक चितलांग गांव की छह एकड़ जमीन पर बनाया जाएगा। इसके लिए पंचायत से जमीन की स्वीकृति लिए पत्र लिखा गया है। दोनों टैंक बनने से पानी की क्षमता को बढाया जाएगा। ताकि शहर में नियमित रूप से पानी सप्लाई की जा सके।

नए टैंकों को बनाने का कार्य शुरू

जनस्वास्थ्य विभाग के जेई सुरेंद्र सिंह ने बताया कि अमृत मिशन योजना- 2 के तहत करीब 14 करोड़ रुपये से शहर के तीन बूस्टिंग स्टेशनों पर नए टैंकों को बनाने का कार्य शुरू कर दिया गया। राजकीय महाविद्यालय के नजदीक बूस्टिंग स्टेशन व लघु सचिवालय के बूस्टिंग स्टेशन पर कार्य पिछले माह मं शुरू कर दिया था। हुड्डा पार्क के बूस्टिंग स्टेशन का कार्य जल्द शुरू करा दिया जाएगा। एक वर्ष बाद शहर में पेयजल की किल्लत से निजात मिल जाएगी।

पीजी कॉलेज में दाखिले के लिए विद्यार्थियों को 42 सीटों की ऑफर

नारनौल। राजकीय पीजी कॉलेज में सोमवार को रिक्त सीटों को भरने के लिए फिजिकल काउंसलिंग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज में पहुंचे छात्र छात्राओं को विभिन्न संकाय की कुल 42 सीटें दाखिले के लिए ऑफर की गई। इन विद्यार्थियों को फीस जमा करवाकर दाखिला कंफर्म करना होगा। जिसके लिए विद्यार्थियों को फीस जमा करवाने की रसीद कॉलेज कमेटी के पास जमा करवानी होगी, तभी छात्र का दाखिला कंफर्म माना जाएगा। पीजी कॉलेज के दाखिला कमेटी के नोडल अधिकारी प्रोफेसर डॉ. सतीश सैनी ने बताया कि सोमवार को सुबह 10 बजे से दोपहर तक कॉलेज में रिक्त सीटों को भरने व दाखिले से वंचित छात्राओं को एडमिशन देने के लिए फिजिकल काउंसलिंग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पहुंचे विद्यार्थियों की मेरिट सूची तैयार कर उनको दाखिले के लिए सीटें ऑफर की गई। जिसमें बीए की 17 सीटें, बीएससी लाइफ साइंस की आठ सीटें, बीएससी फिजिकल साइंस 10 सीटें, बीसीए की दो सीट, बीकॉम की तीन सीट, बीबीए की दो सीटों सहित कुल 42 सीटें ऑफर की गई। उन्होंने बताया कि कॉलेज में अभी बीए की कुल 660 सीटों में से 380 सीटें रिक्त है। इसी प्रकार बीबीए की कुल 40 सीटें है, जिसमें 10 सीटें रिक्त है। कॉमर्स की कुल 240 सीटों में से 166 सीटें रिक्त है। बीसीए की कुल 40 सीटों में से पांच सीटें बची हुई है। वहीं बीएससी लाइफ साइंस की 160 सीटों में से 47सीटें रिक्त है। इसके अलावा बीएससी फिजिकल साइंस की 400 सीटों में से 271 सीटें रिक्त है। उन्होंने बताया कि कॉलेज में रिक्त सीटों के भरने के लिए फिजिकल काउंसलिंग की जाएगी। जिसमें शामिल होकर छात्र छात्राएं दाखिला लेसकते है।

गोलवा के पहाड़ में 6 माह में दूसरी बार ग्रामीणों ने देखा तेंदुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| निजामपुर

गांव गोलवा के पास पहाड़ में ग्रामीणों ने छह महीने के अंतराल पर दूसरी बार तेंदुआ देखा है। भयभीत ग्रामीणों ने वन्य जीव जंतु विभाग ने सर्च अभियान चलाकर तेंदुए को पकड़ने की गुहार लगाई है। कहा कि पहाड़ के साथ में आवसीय मकान हैं। जहां मवेशियों के साथ आमजन को जानलेवा खतरा बढ़ गया। राजाराम गोलवा ने बताया कि बीती रात निजी वाहन से करीब 10:30 बजे नांगल चौधरी से घर जा रहा था। गांगोताना गांव से बाहर निकलते ही अरावली का पहाड़ है। जहां घने पेड़ होने के साथ झाड़ियां खड़ी हुई हैं। सड़क के मोड़ पर गाड़ी की लाइटों से जैसे ही टर्न लिया तो सामने तेंदुआ खड़ा हुआ दिखाई दिया। उन्होंने पुष्टि के गाड़ी को वापस किया तथा जंगल की तरफ लाइटें फैलाई, जिसमें दुबारा से तेंदुआ दिखाई दिया। धीरे धीरे टहलता हुआ तेंदुआ घने पेड़ों में ओझल हो गया। उन्होंने बताया कि करीब छह महीने पहले भी इसी पहाड़ पर तेंदुआ देखा गया था, लेकिन वह बूढ़ा था। यह युवा तेंदुआ है, जो की गांगोताना से गोलवा तक ही घूमता रहता है। करीब 15 महीने पहले पहाड़ के साथ लगते एक मकान में अज्ञात जानवर से 15 भेड़ों को शिकार बनाया था।

मोबाइल में कैद हुआ तेंदुआ।

पहाड़ पर घना जंगल, वन्य जीवों का होना संभव

वाइड लाइफ विभाग के निरीक्षक चरण सिंह ने बताया कि गोलवा, गांगोताना के पास अरावली परियोजना के पहाड़ पर घना जंगल है। लहां तंदुआ व अन्य वन्य जीवों का पाया जाना संभव है। बीती रात गोलवा के पास तेंडुआ दिखाई देने की जानकारी नहीं मिली, इसके बावजूद अपने स्तर पर मामले की जानकारी ली जाएगी।

यूरिया खाद के लिए किसानों की उमड़ी भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अक्सर रबी सीजन में यूरिया खाद के बिक्री केंद्रों पर दिखाई देने वाली भीड़ आजकल बाजरे की फसल के दौरान भी दिखाई देने लगी है। सोमवार को अनाज मंडी स्थित मार्केटिंग सोसायटी कार्यालय के सेल प्वाइंट पर किसान यूरिया खाद के लिए लाइनों में लगे हुए थे। सोमवार को इस खाद केंद्र पर एक हजार बैग यूरिया पहुंचा था, जिसे लेने के लिए किसान सैकड़ों की संख्या में पहुंचे। मार्केट सोसायटी के अकाउटेंट प्रविंद्र कुमार ने बताया कि आजकल खरीफ सीजन की बाजरा फसल में यूरिया खाद डालने के लिए किसान बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। अकेले हमारे पास ही अब तक 2852 बैग यूरिया आ चुका है और किसान खाद के लिए भीड़ के रूप में आ रहे हैं। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। पिछले सारे सीजनों में मुश्किल से एक या दो गाड़ी खाद की बिकती थी। उन्होंने बताया कि एक किसान को आधार कार्ड पर तीन बैग यूरिया खाद दिया जा रहा है। एक बैग की कीमत 266.50 रुपये रखी गई है।

नारनौल। सोसायटी कार्यालय पर खाद के लिए जुटी किसानों की भीड़। फोटो : हरिभूमि

अटेली के दो बंद मकानों के ताले तोड़कर जेवरात चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

वार्ड नंबर 10 में बीती रात्रि को अज्ञात चोरों ने दो बंद मकानों के ताले तोड़कर सोना-चांदी के जेवरात व नकदी चोरी कर ले गए। पहला मकान ब्रह्मप्रकाश प्रवक्ता का है। घटना के समय वह घर पर नहीं थे। चोरों ने ताला तोड़कर घर में घुसकर अलमारी के ताले तोड़कर करीब दो लाख रुपये के जेवरात व नकदी चुरा ली। वहीं चोरी करने के बाद चोरों ने पड़ोसियों के दरवाजे बाहर से बंद कर दिए गए थे। दूसरा मकान इंद्र देव शर्मा का है। उनका परिवार भी उस समय घर पर नहीं था। चोरों ने उसी रात्रि में इस मकान को भी निशाना बनाया। उनके घर के 50 हजार रुपये का कीमती सामान चुरा लिया। सुबह जब चोरी का पता चला तो उन्होंने अटेली पुलिस को सूचना दी गई।

मंडी अटेली। वार्ड नंबर 10 में मकान के अंदर बिखरा पड़ा सामान।

सख्ती बैठक कर प्रशासन ने किया दावा, नियमों का उल्लंघन करने पर जारी होगा नोटिस

कागजों में प्रशासन की सख्ती, बिना मान्यता वाले प्ले स्कूल में बच्चे असुरक्षित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

बिना मान्यता वाले प्ले स्कूल पर प्रशासनिक कार्रवाई कागजों में सिमट कर रह गई है। सिर्फ कागजों में सख्ती दिखाकर मामले को ठंडे बस्ते में डालने की तैयारी है। इसका नजारा सोमवार प्रशासन की ओर से जारी किए गए प्रेस विज्ञप्ति में दिखाई दिया। दावा किया गया कि जिला में बच्चों के सुरक्षित एवं समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की ओर से निर्धारित दिशानिर्देशों के प्रभावी पालन के लिए जिला प्रशासन ने सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। अतिरिक्त उपायुक्त सुशील कुमार के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी संगीता यादव के मार्गदर्शन में जिले के सभी निजी प्ले स्कूलों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे बिना मान्यता के संचालन न करें, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन को मिली जानकारी के अनुसार जिले में कई प्राईवेट प्ले स्कूल ऐसे पाए गए हैं, जो महिला एवं बाल विकास विभाग से अनिवार्य पंजीकरण या संबद्धता प्राप्त किए बिना संचालित हो रहे हैं। इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए अतिरिक्त उपायुक्त ने ऐसे सभी संस्थानों को उल्लंघन नोटिस जारी कर तत्काल प्रभाव से संचालन बंद करने के निर्देश दिए हैं। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि प्ले स्कूल भवन सुरक्षित, स्वच्छ व बच्चों के अनुकूल होना चाहिए। कक्षाओं का क्षेत्रफल मानकों के अनुसार होना चाहिए, ताकि बच्चों को खुला व सुरक्षित वातावरण मिले। स्वच्छ पेयजल, शौचालय व हाथ धोने की उचित व्यवस्था अनिवार्य है। सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन आवश्यक होगा। बच्चों को पौष्टिक नाश्ता व स्वच्छ खानपान उपलब्ध कराना जरूरी है। स्कूल परिसर में सीसीटीवी कैमरे व अग्निशमन यंत्र अनिवार्य रहेंगे। किसी भी अप्रिय घटना की जिम्मेदारी स्कूल प्रबंधन की होगी। बिना पंजीकरण या एनसीपीसीआर अनुमति के कोई भी प्ले स्कूल संचालित नहीं होगा। बच्चों के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही या शोषण की स्थिति में सख्त कार्रवाई की जाएगी। अतिरिक्त उपायुक्त ने अभिभावकों से आह्वान किया है कि वे अपने बच्चों का प्रवेश कराने से पहले स्कूल की मान्यता की स्थिति की भलीभांति जांच लें।

आयोग के निर्देशों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करें

जिला कार्यक्रम अधिकारी संगीता यादव ने सभी प्ले स्कूल प्रबंधकों से अपील की है कि वे आयोग के दिशा–निर्देशों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करें, ताकि नन्हें बच्चों को सुरक्षित, स्वस्थ एवं प्रोत्साहक वातावरण मिल सके।

हरिभूमि सहेली

सावन विशेष

लोकरंग में बसा सावन

आ गया सुहाना सावन, मन को मोहने वाला सावन। सावन में रिमझिम बारिश और चहुंओर फैली हरियाली के बीच मन मयूर बनकर थिरक उठता है। एक नहीं अनेक रंग हैं सावन के। सावन की सिर्फ प्राकृतिक ही नहीं, धार्मिक महत्ता भी है। सावन में हम शिवजी की आराधना करते हैं। संपूर्ण परिवार के लिए मंगल कामना करते हैं।

आवरण कथा

अलका 'सोनी'

सावन शुरू होने का अर्थ है-गर्मी की भीषण तपन के बाद बारिश की शीतल फुहारों से राहत, चारों ओर बिखरी मनोहारी हरियाली, पक्षियों की चहचहाहट। कहते हैं, सावन में संसार के पालन का दायित्व भगवान शिव को सौंप दिया जाता है। उन्हें यह दायित्व सौंप कर श्रीविष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं। इस तरह सावन का एक धार्मिक महत्व भी है।

सावन में शिव उपासना का विशेष महत्व

सावन में शिव की आराधना होती है, इसका विशेष महत्व है, क्योंकि मां पार्वती ने भगवान शिव को वर रूप में पाने के लिए सावन माह में निराहार रहकर कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर शिवजी ने उन्हें मनचाहा वरदान दिया। इसलिए सावन के महीने में शिव भक्त व्रत रहकर, अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए सोमवार को शिवजी पर जलाभिषेक करते हैं। सुहागिनें भी सावन के महीने में हरी चूड़ियां, हरी साड़ी पहन कर शिवजी की पूजा करती हैं। अपनी संतान, घर-परिवार और अपने सुहाग के कल्याण के लिए वरदान मांगती हैं। इस तरह बारहों महीने में सावन का विशेष महत्व है।

हर्षोल्लास का माहौल

सावन के आते ही प्रकृति ही नहीं वरन जीवन हरा-भरा हो उठता है। बागों में झूले पड़ जाते हैं। महिलाएं हाथों में मेहंदी रचाकर, सोलह श्रृंगार करके अपनी साखियों के साथ झूला-झूलती हैं। साथ ही रिमझिम फुहारों का भी आनंद लेती हैं। माहौल बहुत ही हर्षोल्लासमय हो जाता है।

सावन के झूले

सावन में जगह-जगह पेड़ों पर झूले पड़ते हैं। झूला झूल कर मन प्रफुल्लित-उमंगित हो उठता है। किसी भी वजह से अगर आपको तनाव है तो झूला झूलना आपके लिए बेहतर उपक्रम है। झूला झूलने से बॉडी में हैप्पी हार्मोंस रिलीज होते हैं, जो मन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं, हमें तनाव से उबारते हैं।

दंपती भरते हैं प्यार की पेंगे

सावन में प्रिय से मिलन और उनके साथ झूला झूलने की भी रीति है। सावन माह में रिमझिम बारिश के बीच पेड़ों पर डले झूलों की पेंगें दंपती के बीच प्रेम बढ़ाती हैं। झूलों की पेंगें पति-पत्नी को एक अलग ही खुशनुमा एहसास देती हैं। झूले पर बैठी पत्नी यही चाहती है कि उसका पति उसे झुलाए और दोनों ही सावन का भरपूर आनंद लें।

सावन में कजरी की मधुरता

सावन आते ही लोकगीत कजरी की बहार आ जाती है। शहर में विभिन्न सांस्कृतिक संस्थाओं के आयोजन से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में धान रोपती महिलाएं और झूलों पर पेंगें भरती युवतियां कजरी गाती हैं- *'हिंडलवा लागल हइ कदमवा भौजी/ चलहु झूले न पियवा सावन में विदेशवा ननदो, हिंडोलवा भावे न आवइ पानी के छिटकवा भौजी।'* आदि गीतों से ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ अलग ही छटा बिखरती है। कजरी लोकगीत ही ऐसा है, जिसे सुनने मात्र से तन-मन रसरंग में भीग उठता है। कजरी गीतों में वर्षा ऋतु के साथ प्रेम का वर्णन भी मिलता है। गायिका स्वाति निरखी कहती हैं, 'कजरी की शुरुआत देवी स्तुति से होती है। विरह वेदना के वर्णन के अलावा श्रृंगार कजरी, बारहमासा कजरी, चौमासा कजरी, ननद-भाभी और सास के रिश्ते में छेड़छाड़ को लेकर बनी कजरी भी खूब प्रचलन में है।'

सावन के लोकरंग

सावन हमारे लोक-रंग में रचा-बसा है। इसके आने का इंतजार हम बेसब्री से करते हैं। करें भी क्यों ना, यह हरियाली की सौगात जो लेकर आता है, साथ में लेकर आता है ढेर सारे

त्योहार। इन्हीं दिनों आती है हरियाली तीज, गुड़िया और भाई-बहन के प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन। इन्हीं दिनों पानी भरे खेतों में रोपाई के लिए जाते कृषक भी दिखते हैं, तो कजरी गाती अल्हड़ युवतियों की सुरीली आवाज एक अलग समां बिखेरती है। हरी-भरी धरती पर बहते पानी में छपक-छपाक करते नटखट बच्चे भी दिखते हैं। इस तरह सावन अपने साथ जीवन के कई रंग लेकर आता है। हमारे भीतर नई ऊर्जा का संचार करता है।

आप सभी को सावन की मंगलकामनाएं...

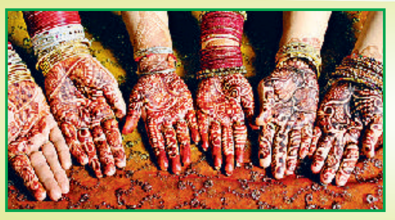

हाथों में रचती है मेहंदी

सावन के महीने में मेहंदी लगाने की परंपरा है। ऐसा कहा जाता है कि महिला के हाथों पर मेहंदी का रंग जितना गहरा होता है, उतना ही पति का प्यार उसे मिलता है। मेहंदी लगाने से न केवल हाथ खूबसूरत लगते हैं, यह स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। मेहंदी की महक और रंग इंसान के तनाव को कम करते हैं। मेहंदी की तासीर ठंडी होती है। भीषण गर्मी के बाद सावन के महीने में मेहंदी लगाने से शरीर को शीतलता मिलती है।

रिश्तों की मजबूती के लिए जरूरी है संवाद

रिश्तों की मजबूती के लिए जरूरी है संवाद रिश्ता कोई भी हो, आपस में संवाद बहुत जरूरी है। इससे कभी कोई लतफहमी या मनमुटाव नहीं होता। आपसी संवाद से दूरी बढ़ जाती है। निरंतर संवाद से रिश्ते मधुर ही नहीं होते, मजबूत भी होते हैं।

सलाह

विजय सिंह चौहान

जहां रिश्तों की बुनियाद प्रेम-स्नेह पर टिकी होती है, वहीं इसे मजबूती और स्थायित्व आपसी संवाद देते हैं। संवाद वह अदृश्य डोर है, जो हमें आपस में बांधे रखती है, दूरियां नहीं बनने देती। जब आपस में संवाद नहीं रहता तो गलतफहमियां जन्म लेने लगती हैं, दूरियां बनने लगती हैं। रिश्तों की नींव दरकने लगती है।

फैलता आभासी दुनिया का संजाल

आज के दौर में हमने तकनीक से भले ही नजदीकियां बनाई हैं, लेकिन सिर्फ इसी माध्यम से प्रेमपूर्वक रिश्तों में बंधे रहना मुश्किल है। आभासी दुनिया के इस संजाल से भले हम पूरी दुनिया से जुड़ रहे हों, लेकिन अपनों से कटते जा रहे हैं। एक ही घर में रहने वाले सदस्य अपने-अपने कमरों में बंद मोबाइल और लैपटॉप में उलझे रहते हैं। हंसी-ठहाके, शिकवे-शिकायतें, सवाल-जवाब, सुझाव और सलाह परिवारों में अब कम दिखती है। परिवार में आपसी संवाद अब मौन हो गए हैं।

संवादों के अभाव में बन जाती हैं दूरियां

'कैसे हो?' यह आमने-सामने बैठकर पूछने के बजाय लोग व्हाट्सएप पर पूछ रहे हैं। मिलकर बैठकर बात करना, समय की बर्बादी समझा जाता है। हमें यह समझना चाहिए कि रिश्तों में दूरियां तब आती हैं, जब आपस में बातचीत ना हो। अकसर देखा गया है कि किसी से मनमुटाव का कोई बड़ा कारण नहीं होता, बस कोई छोटी सी बात होती है, लेकिन हम चुप्पी साधे रहते हैं और फिर संवादों के अभाव में दूरियां बन जाती हैं। चुप्पी संबंधों को भीतर ही भीतर खोखला कर देती है। अंततः संबंध बिखर जाते हैं, जबकि संवादों के माध्यम से संबंध सहेजे जा सकते थे।

संवाद कायम करते हैं भरोसा

कहते हैं, संवाद केवल शब्द नहीं, भरोसे की भाषा होते हैं। इसमें सिर्फ बोलना ही नहीं, सुनना और समझना भी शामिल होता है। जब हम किसी की बातें ध्यान से सुनते हैं, जरूरत के मुताबिक सही सलाह देकर उसका संबल बनते हैं तो दो दिलों के बीच भरोसे का एक गहरा रिश्ता बनता है।

अकसर जब रिश्तों में मनमुटाव आता है, हम सोचते हैं, 'हर बार पहल मैं ही क्यों करूं?' या 'उसे जरूरत होगी तो वह खुद संपर्क करेगा।' यह सोच धीरे-धीरे रिश्तों को बिखेर देती है। कभी-कभी बिखरे मोती समेटने के लिए झुकना पड़ता है। रिश्तों में झुकना कमजोरी नहीं, एक बड़प्पन है। एक छोटा-सा संवाद 'कैसे हो?' किसी के सूने मन को झंकृत कर सकता है। आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है, रिश्तों में सहज संवाद को स्थान दें। इसलिए कभी-कभी अपनों के लिए फोन उठाइए और बिना किसी औपचारिकता के बात करें। उससे बात करने के लिए घर भी पहुंच जाएं। अपने घर में भी भोजन करते समय मोबाइल और टीवी से दूरी बनाकर रखें, अपने परिवार के साथ दिनभर की बातें साझा करें, पति/पत्नी के मन की सुनिए, बच्चों की जिज्ञासाओं पर ध्यान दें ताकि वे अपने मन की बातें आपके सामने खुलकर करें। आप भी उनको आवश्यतानुसार अपना मार्गदर्शन दे सकें। इस तरह के प्रयास और दिल से बोले संवाद रिश्तों को हमेशा मधुर बनाए रखते हैं। तो अपनों से संवाद बनाए रखें, रिश्ते सहेज कर रखें।

वास्तु सलाह

अनीता जैन, वास्तुविद

अगर वास्तु नियमों का ध्यान रखा जाए और उसके अनुसार घर की सजवाट की जाए तो समृद्धि और सकारात्मकता बनी रहती है। इसके लिए किन उपायों पर अमल करना चाहिए, बता रहे हैं आपको।

घर की सजावट में वास्तु संतुलन बनी रहेगी सकारात्मक ऊर्जा

वास्तु शास्त्र केवल घर-ऑफिस बनवाते समय दिशाओं के निर्धारण या निर्माण तकनीकों तक सीमित नहीं होता है, बल्कि यह हमारे जीवन के अनेक पहलुओं को प्रभावित करने वाली ऊर्जा का विज्ञान भी है। घर में रखी प्रत्येक वस्तु, चाहे वह सजावटी सामान हो, फर्नीचर हो या घरेलू उपकरण, हमारे अवचेतन मन पर गहरा प्रभाव डालती है। यदि इनका स्थान और चयन वास्तु सिद्धांतों के अनुरूप हो, तो जीवन में सुख-शांति, समृद्धि और उत्साह बना रहता है। आइए जानें कि इंटीरियर डेकोरेशन के माध्यम से किस प्रकार हम अपने घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बनाए रख सकते हैं।

प्रवेश द्वार हो ऐसा: घर के प्रवेश द्वार को वास्तु में अत्यंत शक्तिशाली क्षेत्र माना जाता है। यह न केवल आगंतुकों और मेहमानों पर अच्छा प्रभाव छोड़ता है, बल्कि यहीं से घर के भीतर ऊर्जा का प्रवाह आरंभ होता है। इसलिए इस क्षेत्र को सदैव स्वच्छ रखें और यहां शुभ प्रतीक जैसे

स्वास्तिक, ॐ, कलश, घंटी, शंख, मछलियों का जोड़ा या आशीर्वाद मुद्रा में गणेश जी की तस्वीर लगाना शुभ माना गया है। फूलों का तोरण, विशेष तौर पर ताजे या कृत्रिम साफ-सुथरे फूलों से बना, द्वार को आकर्षक और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर बनाता है।

सजावट में शुभता-सौम्यता: घर की दीवारों पर लगाई गई तस्वीरें या शोपीस हमारे मनोभावों को सीधे तौर पर प्रभावित करते हैं। युद्ध, खंडहर, सूखे पेड़ या हिंसक जानवरों की छवियां घर में अशांति ला सकती हैं। इसके विपरीत दौड़ते हुए घोड़े की तस्वीर (पूर्व या उत्तर-पश्चिम में), हाथी (उत्तर या दक्षिण में) और गाय की तस्वीरें (पूर्व या दक्षिण-पूर्व में) सकारात्मक ऊर्जा, यश और शांति को आमंत्रित करती हैं।

पौधों से आती है ताजगी-समृद्धि: ड्रॉइंग रूम में उत्तर या पूर्व दिशा में मनीप्लांट, बैंबू बंच या छोटे इंडोर पौधे लगाने से वातावरण में ताजगी और घर में समृद्धि बनी रहती है। इस स्थान पर सूखे, कांटेदार या बोंसाई पौधों को लगाने से बचना चाहिए क्योंकि ये अवरोधक ऊर्जा का प्रतीक होते हैं। घर की उत्तर दिशा में लहलहाते खेत या जंगल का चित्र कार्य में सफलता और धन वृद्धि लाने में सहायक होता है।

देवस्थान और प्रकाश का संतुलन: उत्तर-पूर्व दिशा को पूजा, ध्यान और प्रार्थना के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया है। बेहतर होगा इस स्थान पर अपने ईष्टदेव की तस्वीर या प्रतिमा लगाएं। दिवंगत परिजनों की फोटो दक्षिण-पश्चिम में और गुरु की तस्वीर पश्चिम दिशा में लगाने से आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रवाह होता है। घर में प्रकाश की व्यवस्था भी संतुलित होनी चाहिए। रोशनी की सही मात्रा, घर में ऊर्जा को संतुलित करती है।

इन उपायों से घर बनेगा ऊर्जावान

- बेडरूम में दो हंसों या लव बर्ड्स का शोपीस या राधा-कृष्ण की तस्वीर उत्तर दिशा में लगाएं।
- रसोई में गैस स्टोव दक्षिण-पूर्व और पानी का कलश उत्तर-पूर्व दिशा में रखें।
- ईशान कोण में तुलसी का पौधा लगाकर नियमित जल अर्पण करें और दीपक जलाएं।
- उत्तर, ईशान और पूर्व दिशा में हल्के सामान जबकि दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम दिशा में भारी फर्नीचर रखें। परदों के रंग भी दिशाओं के अनुसार तय करें।

केयर

डॉ. सरोज राय, डर्मेटोलॉजिस्ट

तब बारिश में नहीं होगी स्किन-हेयर प्रॉब्लम

बहुत सी महिलाएं रेनी सीजन में फेस पर होने वाले पिंपल्स और पिगमेंटेशन से परेशान हो जाती हैं तो कई महिलाओं को हेयर फॉल का भी सामना करना पड़ता है। इन दोनों सीजनल प्रॉब्लम्स से राहत पाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

न छोड़ें सनस्क्रीन लगाना: कई महिलाएं सोचती हैं कि सनस्क्रीन केवल तेज धूप के दिनों में ही लगानी चाहिए। सच्चाई तो यह है कि जब आसमान में बादल छाए रहते हैं, यानी बरसात के दिनों में भी सूरज की अल्ट्रा वॉयलेट किरणें (यूवी रेज) नुकसानदेह साबित होती हैं। मौसम चाहे जो भी हो, कम से कम 30 एसपीएफ का सनस्क्रीन आपको अपनी स्किन पर जरूर लगानी चाहिए।

करें स्कैल्प की सफाई: पसीने और वातावरण में मौजूद नमी के कारण सिर की त्वचा में इंफेक्शन या डेंड्रफ की प्रॉब्लम हो सकती है। इनसे बचने के लिए बारिश के दिनों में नियमित तौर पर किसी माइल्ड शैंपू से बालों को साफ करें। बारिश में भीग जाएं तब भी बालों को साफ कर पॉल्यूटेंट्स और बारिश का पानी हटा लें। सिर की त्वचा यानी स्कैल्प को साफ रखना फंगल इंफेक्शन और दूसरी समस्याओं से बचाव करता है।

क्रीम-ऑयली प्रोडक्ट का यूज: हैवी गाढ़ी क्रीम और ऑयल बेस्ड प्रोडक्ट का इस्तेमाल मानसून के नमी वाले मौसम में त्वचा के पोर्स को बंद कर सकता है। इनकी जगह लाइट वेट क्रीम नॉन कॉमेडोजेनिक मॉयश्चराइजर और सीरम का उपयोग किया जाना चाहिए, जो त्वचा को बिना चिपचिपा किए नमीयुक्त रखता है।

ना हो हाइड्रेशन की कमी: हालांकि इस मौसम में वातावरण में अधिक नमी महसूस होती है, लेकिन आपकी त्वचा को अंदर से बाहर तक हाइड्रेटेड रखना भी जरूरी होता है। इसके लिए सुनिश्चित करें कि आप इस मौसम में भी पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और अपने आहार में पानीयुक्त खाद्य पदार्थ शामिल करें। अपनी त्वचा को पूरे दिन तरोताजा बनाए रखने के लिए हाइड्रेटिंग फेशियल मिस्ट का उपयोग भी कर सकती हैं।

स्किन रखें ड्राय: बारिश में भीगने के बाद फंगल इंफेक्शन और त्वचा की जलन से बचने के लिए इसे ठीक से सुखाना जरूरी है। खासतौर पर जांघों, अंडर आर्म्स की स्किन को ड्राय रखने पर विशेष ध्यान दें।

अधिक एक्सफोलीएशन से बचें: बेशक स्क्रबर, डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद करती है, लेकिन इसके अधिक उपयोग से आपकी त्वचा से आवश्यक तेल निकल सकता है। मानसून के दौरान महीने में एक या दो बार तक ही स्क्रबर का उपयोग करें। इस मौसम में चटपटे व्यंजन अधिक ना खाएं।

प्रस्तुति: चेतना झा

योगोपचार

कौशल किशोर, योगाचार्य

कई महिलाएं और लड़कियां, पीरियड्स के दौरान पेट दर्द, थकान, सिर दर्द या मूड स्विंग से परेशान रहती हैं। इन प्रॉब्लम्स से राहत के लिए आप कुछ योगसनों का अभ्यास कर सकती हैं। यहां कुछ ऐसे ही योगसनों की विधि के बारे में बताया जा रहा है।

पीरियड्स के दौरान उपयोगी हैं ये योगासन

पहले के दौर में ऐसी धारणा थी कि पीरियड्स के दौरान कोई भी वर्कआउट या योगासन नहीं करना चाहिए। लेकिन अब वैज्ञानिकों ने स्टडी के द्वारा यह सिद्ध कर दिया है कि कुछ योगासन करने से पीरियड्स के दौरान होने वाली समस्याओं से आराम मिल सकता है। हम आपको यहां कुछ ऐसे ही उपयोगी आसनों के बारे में बता रहे हैं।

वज्रासन: सबसे पहले दरी या योगासन मैट बिछा लें। उसके बाद अपने घुटनों को मोड़कर एड़ियों पर बैठ जाएं। दोनों एड़ियों को एक-दूसरे से थोड़ा अलग रखें और अपने दोनों पंजों पर नितंब को टिकाएं। इस दरम्यान पीठ, गर्दन और अपने सिर को सीधा रखें और अपने दोनों हाथों को घुटनों पर रखें। यह ध्यान रखें कि हथेलियां नीचे की ओर रहें। अपनी आंखें बंद करें और धीरे-धीरे सांस लें फिर छोड़ें। फिर 5 से 15 मिनट तक इसी स्थिति में रहें। इससे पीरियड्स के दौरान होने वाले दर्द से राहत मिलेगी।

वज्रासन

शशांक आसन

शशांक आसन: इसके लिए सबसे पहले वज्रासन में बैठ जाएं। अपने दोनों हाथों को ऊपर उठाएं और कानों के पास सीधा रखें। धीरे-धीरे अपनी सांस को छोड़ते हुए आगे की ओर झुकाएं और माथा जमीन से लगाएं। अपने हाथ को भी सामने जमीन पर ही रखें। पूरे शरीर को ढीला छोड़ दें और कुछ समय इसी स्थिति में रहें। सांस लेते हुए वापस वज्रासन की स्थिति में आ जाएं।

भ्रामरी प्राणायाम: इसे करने के लिए सुखासन, पद्मासन या वज्रासन में रीढ़ को सीधा करके बैठ जाएं। आंखें बंद कर अपने शरीर को एकदम शांत करें। अपने दोनों हाथों की पहली अंगुली को माथे पर रखें। मध्यमा अंगुलियों से आंखों को बंद करें। अनामिका से नाक के पास गालों को हल्का दबाएं और अंगूठों से दोनों कानों को बंद करें। गहरी सांस लें और सांस को छोड़ते हुए भौरें जैसी आवाज करें। यह प्रक्रिया 5 से 10 बार दोहराएं।

मेरुवक्रासन: योगा मैट पर सीधा बैठ कर पैर आगे की ओर फैलाएं। अपने बाएं पैर को मोड़कर उसका तलवा दाएं घुटने के पास रखें। दायां हाथ बाएं घुटने के बाहर रखें और बाएं हाथ को पीछे जमीन पर टेक लगा दें। अपनी रीढ़ को सीधा रखते हुए धीरे-धीरे धड़ को बाईं ओर मोड़ें। कुछ देर इसी स्थिति में रहने के बाद वापस धीरे से आ जाएं। अब यही प्रक्रिया दूसरी ओर से दोहराएं।

ताड़ासन: ताड़ासन को करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं और अपने दोनों पैरों को एक साथ मिलाएं। अपने हाथों और पीठ को सीधा रखें। सांस लेते हुए दोनों हाथों को सिर के ऊपर उठाएं। उस समय हथेलियां आपस में जुड़ी हुई रहनी चाहिए। अब अपनी एड़ियों को उठाकर पंजों के बल खड़े हो जाएं और अपने पूरे शरीर को ताड़ के पेड़ की तरह ऊपर की ओर खींचें। थोड़ी देर इस स्थिति में रहने के बाद सांस छोड़ते हुए वापस आ जाएं।

इस बात का ध्यान रखें कि कोई भी योगासन करने से पहले अनुभवी प्रशिक्षक से इसे अच्छी तरह सीख लें।

प्रस्तुति: संध्या रानी

खबर संक्षेप

जैलाफ से चिंडालिया का रास्ता बनाने की मांग

नारनौल। गांव जैलाफ के सामाजिक कार्यकर्ता छाजूराम रावत ने सोमवार को गांव जैलाफ से चिंडालिया का रास्ता बनावने के लिए प्रार्थना पत्र समस्या समाधान शिविर में दिया। प्रार्थना पत्र में मांग की गई है कि जैलाफ व चिंडालिया का रास्ता दो गांवों को जोड़ने के साथ राजस्थान की सीमावर्ती गांवों को भी जोड़ने वाला महत्वपूर्ण व उपयोगी रास्ता है, जो अभी कच्चा रास्ता है। इसी रास्ते से गांव चिंडालिया के स्कूली बच्चे जैलाफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल में जाने हैं। ग्रीष्मकालीन अवकाश के पश्चात अब स्कूल लगने लगे हैं। बारिश के मौसम में इस कच्चे रास्ते से स्कूली बच्चों का आना जाना दूभर हो गया है। दुपहिया वाहन से भी लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं। गांव जैलाफ की सीमा, खेत भी इस रास्ते पर लगते हैं। खेतों में आने जाने वाले किसान, खेतिहर मजदूर व ग्रामीण महिलाएं जो खेतों में घास खोदने व खेती के काम से आना जाना करते हैं।

अब तक मिले आठ आवेदन, अंतिम तिथि 28 जुलाई

ग्रामीण क्षेत्रों के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने मांगे आवेदन

■ माई भारत पोर्टल के माध्यम से युवा कर सकते हैं आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन के तहत पंजीकृत उपभोक्ताओं के डाटा में सुधार, नए कनेक्शन और अन्य सहायक गतिविधियों के लिए माई भारत पोर्टल के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए हैं। विभाग अब माई भारत पोर्टल पर पंजीकृत स्वयंसेवी युवाओं के माध्यम से शहरों व ग्रामीण क्षेत्रों के पेयजल एवं सीवरेज कनेक्शनों का सर्वेक्षण कराने की योजना बना रहा है। नौ जुलाई को पंचकूला मुख्यालय से जारी पत्र के अनुसार प्रदेशभर के सभी शहरों व ग्राम पंचायतों में पंजीकृत स्वयंसेवकों की नियुक्ति की जा रही है तथा एक अगस्त से 31 अगस्त तक एक्सपीरियंस लर्निंग प्रोग्राम के अंतर्गत स्वीकृत गतिविधियों का क्रियान्वयन करवाया जाएगा।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के पेयजल एवं सीवरेज से संबंधित डाटा में सुधार, कनेक्शन वैध करवाने की जानकारी एकत्रित करने सहित अन्य सहायक गतिविधियां करवाई जाएंगी। स्वयंसेवकों को एक से चार अगस्त तक जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यों, पेयजल आपूर्ति योजनाओं, विभागीय प्रयोगशालाओं, जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन की गतिविधियों, ग्राम जल एवं सीवरेज समितियों और स्वयं सहायता समूहों से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके पश्चात पांच से 26 अगस्त तक स्वयंसेवक घर घर जाकर पेयजल कनेक्शन में सुधार, अस्वच्छ कनेक्शन, लीकेज तथा पेयजल परीक्षण से संबंधित सर्वेक्षण करेंगे। इसके लिए निर्धारित प्रोफॉर्मा ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों माध्यमों से भरा जाएगा। इसके बाद 27 से 31 अगस्त तक दस्तावेजों का संकलन, प्रस्तुतीकरण की गुणवत्ता की जांच तथा आवश्यक सुधार का कार्य किया जाएगा। परियोजना का एक्शन प्लान जिला सलाहकार कार्यालय की ओर से तैयार किया जाएगा तथा सर्वेक्षण का कार्य विभाग के उपमंडल अभियंता व कनिष्ठ अभियंता की देखरेख में करवाया जाएगा। सभी दस्तावेजों का सत्यापन भी सब डिविजन स्तर पर होगा। जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन की टीम स्वयंसेवकों के साथ समन्वय स्थापित कर सर्वेक्षण में सहयोग करेगी, जबकि खंड संसाधन संयोजक टीम का समन्वय करेगी।

करियर निर्माण में युवाओं को

जिला सलाहकार मंगतूराम सरसवा ने बताया कि माई भारत पोर्टल के माध्यम से एक्सपीरियंस लर्निंग प्रोग्राम के तहत कार्य करने वाले युवाओं को कार्य पूर्ण करने पर भारत सरकार व विभाग की ओर से प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा,

जो भविष्य में सरकारी योजनाओं, छात्रवृत्ति, उच्च शिक्षा और रोजगार के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज बनता है। कार्यक्रम से जुड़ने पर युवाओं को विभाग की योजनाओं के साथ कार्य करने का प्रत्यक्ष अनुभव मिलता है, जो उनके करियर निर्माण में सहायक होता है। इसके साथ ही फील्ड नॉलेज और स्किल डेवलपमेंट भी होता है। जल जीवन मिशन कार्यक्रम से जुड़ने पर पेयजल, स्वच्छता, सर्वेक्षण, डाटा कलेक्शन, रिपोर्टिंग, टीम वर्क, कम्यूनिकेशन और लोगों से संवाद जैसे कौशल विकसित होते हैं, जो भविष्य की सरकारी और निजी नौकरियों में उपयोगी हैं। इससे युवाओं में सामाजिक योगदान की अनुभूति होती है और विभाग के अधिकारियों, जिला प्रशासन, इंजीनियरों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा अन्य युवाओं से संपर्क स्थापित होते हैं, जो करियर ग्रोथ में सहायक रहते हैं।

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए भी

जिला सलाहकार मंगतूराम सरसवा ने बताया कि जिले के पांचों शहर नारनौल, नांगल चौधरी, अटेली, कनीना और महेन्द्रगढ़ के साथ अब ग्रामीण क्षेत्रों के लिए भी युवा आवेदन कर सकते हैं। प्रारंभ में ग्राम पंचायत निजामपुर, सिलारपुर मेहता, सिहमा और सतनाली के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जो भी युवा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के साथ माई भारत पोर्टल के माध्यम से स्वयंसेवक के रूप में जुड़कर कार्य करना चाहते हैं, वे 28 जुलाई तक माई भारत पोर्टल की वेबवाइट पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन कर आवेदन कर सकते हैं। अन्य ग्राम पंचायतों के लिए भी जल्द ही आवेदन मांगे जाएंगे। शहरी क्षेत्र के लिए अब तक आठ युवाओं के आवेदन मिल चुके हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 28 जुलाई है।

नारनौल। पौधरोपण करती शोभा शर्मा व अन्य। फोटो: हरिभूमि

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिला रेडक्रॉस सोसायटी कार्यालय में जनशक्ति संगठन के सहयोग से एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया व उपस्थित लोगों को पौधे वितरित किए। इस अवसर पर जनशक्ति विकास संगठन के अध्यक्ष दीपक कुमार वशिष्ठ ने कहा कि आज के युग में पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की जा रही। जिससे प्रदूषण लगातार बढ़ता जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण के लिए हमें लगातार पौधरोपण करते रहना चाहिए, साथ ही उनका संरक्षण करना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियां स्वच्छ वातावरण में सांस ले सकें।

डॉ. एसपी सिंह ने बताया कि हर व्यक्ति को जीवन में एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण के लिए हमें सिंगल प्लास्टिक बैग को बंद करना चाहिए। प्लास्टिक बैग पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बहुत ही बड़ी बाधा है। हमें गांवों को स्वच्छ, प्लास्टिक मुक्त और हराभरा बनाने के लिए चुनौतियों तथा बाधाओं को दूर करना चाहिए।

गांवों को गंदगी व प्लास्टिक मुक्त और हराभरा बनाना हमारी अहम जिम्मेदारी है। इस मौके पर सेवानिवृत्त मुख्य चिकित्सक एसएन शर्मा, टीबी अभियान की कोऑर्डिनेटर शोभा शर्मा, क्लर्क रेखा, बीजेपी जिला कर्मचारियों प्रकोष्ठ के जिला सहसंयोजक अध्यक्ष सुरेश कुमार वशिष्ठ, कैलाश यादव, भगवान यादव, सुनील आदि गणमान्य लोग मौजूद थे।

अखिल भारतीय कराटे चैंपियनशिप में जयराम स्कूल के छात्र छाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

राव जयराम वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों ने अखिल भारतीय ओपन कराटे चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता 11 से 13 जुलाई तक जय भारत मंडल धर्मशाला, हांसी (हिसार) में आयोजित की गई थी, जिसका आयोजन एमेच्योर कराटे एसोसिएशन आफ हांसी द्वारा किया गया। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देशभर से कराटे खिलाड़ी भाग लेने पहुंचे थे, जहां राव जयराम स्कूल के सात होनहार छात्रों ने न केवल भाग लिया, बल्कि पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा भी मनवाया। विद्यालय की छात्रा विधि पुत्री सुरेश कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अर्जित किया।

महेंद्रगढ़। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

वहीं पांच अन्य छात्रों दिनेश कुमार पुत्र देशराज, मानव सैनी पुत्र जितेंद्र, हर्ष पुत्र विक्रम सिंह, दिव्या पुत्री अमित कुमार और मेघा पुत्री विक्रम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतकर विद्यालय को गौरवान्वित किया। इन सभी छात्रों ने न केवल खेल कौशल का प्रदर्शन किया, बल्कि अनुशासन, समर्पण और मानसिक दृढ़ता का परिचय भी दिया, जो किसी भी खिलाड़ी की पहचान होती है। प्रतियोगिता के उपरांत विद्यालय में 14 जुलाई को आयोजित प्रार्थना सभा के दौरान इन विजेता छात्रों का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। निदेशक सुरेंद्र कुमार एवं प्राचार्य नरेंद्र कुमार ने विजयी छात्रों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महेंद्रगढ़। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करती उप प्राचार्य ज्योति भारद्वाज।

बीआर स्कूल में सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़। बीआर आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेहलंग में सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विषय पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य छात्रों में रचनात्मकता के माध्यम से सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। प्रतियोगिता में कक्षा तीसरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कक्षा तीसरी से पांचवी वर्ग में कक्षा चौथी से भाग्य पुत्र राजेश कुमार ने प्रथम स्थान, भाविक पुत्र रमेश कुमार ने द्वितीय स्थान तथा कक्षा पांचवी से आस्था पुत्री भूपेंद्र सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं छठी से आठवीं वर्ग में कक्षा आठवीं से निकिता पुत्री सतेंद्र ने प्रथम, कक्षा सातवीं से खुशी पुत्री महेश ने द्वितीय स्थान तथा मुस्कान पुत्री सुनील कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता उप प्राचार्य ज्योति भारद्वाज कि देख रेख में संपन्न हुई। सीनियर विंग इंचार्ज कपिल शर्मा ने निर्णायक की भूमिका निभाई। चेयरमैन हरीश भारद्वाज ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना भी बच्चों में विकसित करता है।

सरकार में हिस्सेदारी करके जेजेपी ने बढ़ाई बुढ़ापा पेंशन, अब एक साल से नहीं हुई बढ़ोतरी: चौटाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

इनसो के प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने बीती देर रात इकबालपुर नंगली, ढाणी बायावाली, कालबा गांव में युवा जोड़ो अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हलका प्रधान एडवोकेट प्रमोद ताखर ने की। जिसमें जिला प्रधान राजकुमार खातोद, प्रभारी विनोद भील व पूर्व हलका प्रधान हजारीलाल लंबोरा मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने भाजपा के साथ सरकार में चार साल के कार्यकाल की उपलब्धियों से अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि जेजेपी में पूर्व उप प्रधानमंत्री चौ. देवीलाल की विचारधारा का समावेश है। पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला की कार्यशैली को राजनीतिक सिद्यांत बनाया गया है। जिससे प्रदेश की

निजामपुर। इकबालपुर नंगली में युवाओं से रूबरू होते दिग्विजय चौटाला।

जनता की सुरक्षा, सहयोग तथा सेवा करने की प्रेरणा मिलती है। बीते कार्यकाल में भाजपा के साथ करीब चार साल तक सरकार में भागीदारी रही थी। विधानसभा में 10 सीट होने के बावजूद दुष्यंत चौटाला ने पूरे प्रदेश में समान विकास कार्यों को प्राथमिकता दी थी। भाजपा ने 2014 से 2019 तक पांच साल के कार्यकाल में केवल 800 रुपये बुढापा पेंशन बढ़ाई थी। जबकि जेजेपी ने सरकार पर दबाव बनाकर मात्र चार में एक हजार रुपये की पेंशन बढ़ोतरी करवाई थी। अब भाजपा को पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता संभाले हुए लगभग एक साल बीत गया, अभी तक बुजुर्गों की सम्मान राशि नहीं बढ़ाई है। नांगल चौधरी हलका डॉ. अजय चौटाला की कर्मभूमि रहा है, इसलिए नांगल चौधरी को उप मंडल का दर्जा दिलाने का काम दुष्यंत चौटाला किया था। हलके के करीब आठ गांवों में लाइब्रेरी स्वीकृत की गई थी, जिनमें युवा वर्ग प्रतियोगिक परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है।

खातोली अहीर में किया पौधरोपण

नांगल चौधरी। राव जयमल मैमोरियल ट्रस्ट ने खातोली अहीर में पौधारोपण करके ग्रामीणों को पर्यावरण सुरक्षा के लिए प्रेरित किया है। इस दौरान गांव में पेड़ लगाओ स्वास्थ्य बचाओ रैली निकाली गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्रधान डॉ. नरेश यादव ने की। जिसमें पंचायत प्रतिनिधि मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि पौधे ही प्रकृति की सुंदरता तथा पर्यावरण के रक्षक होते हैं। पौधों से वन्य जीवों को भोजन मिलने के साथ मनुष्यों की विभिन्न जरूरतें पूरी होती हैं। बावजूद अधिकांश लोग पौधों की सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं, मामूली जरूरत को पूरी करने के लिए अवैध कटाई करते हैं। उन्होंने ग्रामीणों को जन्मदिन, सालगिरह व अन्य पारिवारिक खुशियों के अवसर पर पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उन्होंने पंचायती भूमि व श्रीशनि मंदिर के पास 21 पौधे लगाकर युवाओं को देखभाल का दायित्व सौंपा।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

यदुवंशी स्कूल में विश्व जनसंख्या दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़। विश्व जनसंख्या दिवस पर यदुवंशी शिक्षा निकेतन में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बढ़ती जनसंख्या से होने वाली समस्याओं के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास किया। विद्यार्थियों द्वारा जनसंख्या नियंत्रण, प्रदूषण, बेरोजगारी आदि विषयों पर भाषण, कविता आदि प्रस्तुत किए गए। प्राचार्य पवन कुमार ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या केवल एक आंकड़ा नहीं है, यह हमारे संसाधनों, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार सभी पर सीधा प्रभाव डालती है। ग्रुप के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि आज विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर आप सभी द्वारा प्रस्तुत की गई गतिविधियां अत्यंत सराहनीय और जागरूकता से परिपूर्ण रही हैं। सभी विद्यार्थी अपने ज्ञान का उपयोग सामाजिक हित में करें। मौके पर वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव व फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेंद्र सिंह यादव उपस्थित रहे।

नारनौल के साहित्यकार पानीपत अधिवेशन में हुए सम्मानित

■ डॉ. जितेंद्र भारद्वाज, डॉ कृष्णा आर्या व ओशिन शुक्ला को साहित्य सेवाओं के लिए किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अखिल भारतीय साहित्य परिषद हरियाणा प्रांत के 22वें त्रैवार्षिक प्रांतीय अधिवेशन में नारनौल के साहित्यकार डॉ. जितेंद्र भारद्वाज, डॉ. कृष्णा आर्या व ओशिन शुक्ला को सम्मानित किया गया।

डॉ. जितेंद्र भारद्वाज ने बताया कि पानीपत के एसडी कॉलेज में प्रांतीय अधिवेशन के दूसरे दिन पंचम सत्र में परिषद की प्रांतीय कार्यकारिणी की ओर से नारनौल के साहित्यकारों को उत्कृष्ट साहित्यिक गतिविधियों व उल्लेखनीय कार्यों हेतु स्मृति चिह्न व साहित्य भेंट कर सम्मानित किया गया।

नारनौल। प्रांतीय अधिवेशन में साहित्यकारों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि व प्रांतीय पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

इस सत्र में परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. सारस्वत मोहन मनीषी की अध्यक्षता में मुख्य वक्ता के रूप में पधारे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांतीय बौद्धिक प्रमुख भूपेश अरोड़ा ने साहित्यकारों को संबोधित करते हुए परिषद की कार्यप्रणाली में नवाचार के प्रयोग करने व युवाओं को जोड़ने का संदेश दिया।

इससे पूर्व आयोजित कवि सम्मेलन में कवियित्री डॉ. कृष्णा आर्या ने झंडा तो ठा लिया हमनै देश का रै बीरा झण्डे मैं दिखै म्हारी शान थम जयहिंद बोलियो लोकगीत प्रस्तुत कर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। इकाई के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र भारद्वाज ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ संग संस्कार निर्माण करो कविता व कुछ दोहे प्रस्तुत कर बेटियों को बचाने, पढ़ाने के साथ संस्कार देने की बात की। संस्था के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सारस्वत मोहन मनीषी ने कहा कि नारनौल इकाई की ओर से युवा रचनाकारों को जोड़ने की पहल सराहनीय है।

दिमाग, रीढ़ की हड्डी व नसों का इलाज अब रेनबो हॉस्पिटल में उपलब्ध

नारनौल। शहर के रेनबो मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में अब दिमाग, रीढ़ की हड्डी एवं नसों से जुड़ी बीमारियों का इलाज न्यूरो सर्जन डॉ. कविंद्र यादव की ओर से किया जाएगा। डॉ. कविंद्र यादव एम्स दिल्ली व पीजीआई चंडीगढ़ जैसे देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों से प्रशिक्षित हैं। अब नारनौल में नियमित रूप से अपनी सेवाएं देंगे। उनका न्यूरो सर्जरी में वर्षों का अनुभव है और वे मस्तिष्क, रीढ़ की हड्डी एवं नसों से संबंधित जटिल बीमारियों का उन्नत तकनीकों से इलाज करते हैं। रेनबो अस्पताल में अब एक्सीडेंट के दौरान सिर की चोट, सिरदर्द, मिर्गी, लकवा, ब्रेन ट्यूमर, रीढ़ की हड्डी की चोट, नसों में दबाव या दर्द, हाथ पैरों में झनझनाहट जैसे रोगों का आधुनिक तकनीकों से इलाज संभव है। एक्सीडेंट, ट्रॉमा मरीजों के लिए इमरजेंसी सेवाएं और सर्जरी की सुविधाएं 24×7 घंटे उपलब्ध है। यह सेवाएं नारनौल के लोगों के लिए एक बड़ी सौगात हैं। जिससे अब इन जटिल रोगों के इलाज के लिए बड़े शहरों की ओर जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

नारनौल। चिकित्सक का स्वागत करते हुए। फोटो: हरिभूमि

मंडी अटेली। गणियार में पौधे वितरित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

गणियार में पर्यावरण संरक्षण के लिए वितरित किए पौधे

मंडी अटेली। रिटायर्ड सीआरपीएफ कमांडेंट अमर सिंह ने सोमवार को ग्रामीणों को 2500 फलदार, छायादार, औषधीय पौधे विकृत किए। वहीं खुद ने गांव में चौपाल, मंदिर, पार्क में करीब 200 पौधे लगाए हैं। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण एवं पौधा वितरण में आमजन से निवेदन किया कि अपने-अपने घरों में रोपित कर संरक्षित करें, क्योंकि यह पौधा मात्र एक उपहार ही नहीं है, भविष्य की सांसें हैं। वातावरण स्वच्छ होगा, तभी हम सब स्वस्थ रह सकते हैं। वातावरण स्वच्छता का सीधा सा नाता पेड़ पौधों से है। ऐसे में हम सभी को मिलजुल कर पेड़-पौधे लगाकर अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए प्राकृतिक संसाधनों की सौगात देनी होगी। उन्होंने कहा कि वृक्ष कार्बन कार्बन डाइऑक्साइड लेते हैं और इसके बदले में आक्सीजन छोड़ते हैं। यह आक्सीजन हमारी प्राणवायु है। उन्होंने कहा कि प्रकृति जल, जंगल और जमीन के बिना अधूरी है।

सिहमा नर्सरी में 20 हजार एवं लहरोदा नर्सरी में 70 हजार विभिन्न किस्मों के पौधे तैयार किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

पर्यावरण व हरियाली को बढ़ावा देने के लिए सिहमा नर्सरी 20 हजार एवं लहरोदा नर्सरी में 70 हजार विभिन्न किस्मों के पौधे तैयार किए हुए थे। यह पौधे इसी माह एक जुलाई से निःशुल्क वितरित किए जा रहे हैं। सिहमा नर्सरी रामपुरा रोड़ पर चार एकड़ में और लहरोदा नर्सरी पांच एकड़ में फैली हुई है। लहरोदा नर्सरी में नींबू, अमरूद, नीम, खजूर, इमली, गुलमोहर, अनार, अंजीर, बेलपरा, अमलतास, गुलाब, भुगन बेल, सिरस, तुकोमा, चांदनी, गुड़हल, कचनार, रोंज, किकर, पापड़ी, जबकि सिहमा नर्सरी में गुलमोहर सिरस, काला सीरस, गुलाब, गुड़हल, कीकर, पापड़ी, पीपल, नीम, शीशम, चांदनी विभिन्न किस्मों के छायादार, शोभादार, खुशबूदार पौधे वितरित किए जा रहे हैं।

मंडी अटेली। सिहमा नर्सरी में हरे पौधे ले जाने के लिए ट्रैक्टर में रखते हुए।

एक हजार पौधे वितरित

सिहमा नर्सरी के इंचार्ज वैभव प्रताप सिंह ने बताया कि उनकी नर्सरी में लगभग एक हजार पौधे निःशुल्क वितरित किए जा चुके हैं। नर्सरी से पौधे ले जाने के बाद पौधों को पॉलिथीन से निकालते वक्त विशेष सावधानी रखने की जरूरत है, ताकि उनकी जड़ें न टूटें। यदि जड़ें टूट गई तो पौधा मुरझा सकता है। जब भी आप पौधों को लगाएं तो नर्सरी बैग को ध्यान से फाड़ें और पौधे को सावधानी से बाहर निकालें। वहीं पौधे लगाने और उनकी अच्छी देखभाल करने के लिए सही समय उचित मिट्टी, खाद, पानी और धूप का ध्यान रखना आवश्यक है।

65 हजार पौधे किए वितरित

लहरोदा नर्सरी के इंचार्ज हंसराज बेनीवाल ने बताया कि नर्सरी में लगभग 65 हजार पौधे वितरित किए जा चुके हैं। अगर ग्राम पंचायत नर्सरी में पौधे लेने के लिए आती है तो ग्राम पंचायत द्वारा पास किया हुआ पत्र जरूरी होता है। इसके अलावा ग्रामीणों को पौधा लेने के लिए अपनी पहचान आईडी लाना अनिवार्य होता है। यदि कोई ग्राम पंचायत वन विभाग से पौधा लगवाना चाहती है तो वह पंचायत वन विभाग को प्रस्ताव दे सकती है। जिसके तहत वन विभाग द्वारा पौधे लगाए जाएंगे। पांच वर्ष तक उन पौधों की देखभाल वन विभाग द्वारा की जाती है। उसके बाद वह पौधे पंचायत को हैंडओवर कर दिए जाते हैं। वहीं सुरानी बणी में 2500 पौधे इसी वर्ष लगाए गए हैं। जिसमें 101 त्रिवेणी भी लगाई है। इसके अलावा एक पेड़ मां के नाम के तहत भी नर्सरी में पौधे ले सकते हैं।

सावन के पहले सोमवार को मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

खास बातें

- श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर किया जलाभिषेक, गूंजे हर हर महादेव के जयकारे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

सावन के पहले सोमवार मंदिरों व शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने अल सुबह से शिवालयों पर जाना शुरू कर दिया। कई लोग प्रसिद्ध धार्मिक स्थल ढोसी पर भी गए। वहीं शहर के लगभग सभी शिवालयों पर भक्तों का तांता लग गया। सावन मास के पहले सोमवार को बाबा भोलेनाथ के भक्तों की भीड़ शिवालयों व मंदिरों में पूजा अर्चना के लिए उमड़ पड़ी। शहर के प्रसिद्ध मोड़ा वाला मंदिर, करंट महादेव मंदिर, मोटा महादेव मंदिर व छोटा तथा बड़ा तालाब स्थित शिव मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालु पूजा अर्चना के लिए पहुंच गए। जिसके चलते इन मंदिरों में सुबह से दोपहर तक श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही।

बता दें कि सावन महीने में मंदिरों में रोजाना भक्तों का आना जाना लगा रहता है, लेकिन सावन में सोमवार को विशेषकर काफी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। भक्तों का यह सिलसिला सावन के पूरे माह तक लगा रहेगा। रक्षाबंधन तक लोग मंदिरों में पूजा करने के लिए आएंगे। इस बीच यहां पर एक विशाल मेले का भी आयोजन किया जाएगा। शहर के अनेक ऐसे भक्त हैं, जो पूरे सावन ढोसी पहाड़ पर चढ़कर वहां पर पूजा अर्चना करते हैं। ऐसा वे पूरे माह करते हैं। श्रद्धालुओं ने कहा कि सावन माह में ढोसी पर जाने की अलग ही महता है। उन्होंने बताया कि सैकड़ों श्रद्धालु रोजाना से ढोसी जाकर वहां पर सुबह सुबह चढ़ाई करते हैं। इसके बाद वे वहां पर शिव मंदिर में पूजा अर्चना करते हैं।

नारनौल। शिवलिंग पर जलाभिषेक करते श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

सोमवार का महत्व

सावन के पहले सोमवार को भगवान शिव के भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण दिन होता है। इस दिन मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है, जो भगवान शिव की पूजा अर्चना करने और जलाभिषेक करने के लिए आते हैं। सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित होता है। इस महीने के सोमवार को विशेष महत्व दिया जाता है। श्रद्धालु भगवान शिव की पूजा अर्चना करने और जलाभिषेक करने के लिए मंदिरों में आते हैं। सावन के पहले सोमवार को मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की पूजा अर्चना की और जलाभिषेक किया। इस दौरान हर हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे, जो वातावरण को और भी पवित्र बना रहे थे।

विशेष तैयारी

श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की पूजा अर्चना करने के लिए विशेष तैयारियां की थी। उन्होंने भगवान शिव की भक्ति में लीन होकर जलाभिषेक किया और उनकी आराधना की। इस दौरान श्रद्धालुओं के चेहरे पर आस्था और भक्ति की भावना स्पष्ट रूप से देखी जा सकती थी। मंदिरों को सावन के पहले सोमवार के लिए विशेष रूप से सजाया गया था। मंदिरों के द्वार और गर्भगृह को फूलों तथा दीयों से सजाया गया था जो वातावरण को और भी पवित्र व आकर्षक बना रहा था।

खबर संक्षेप

गुवानी में किया पौधरोपण

नारनौल। गांव गुवानी में रामविलास शर्मा व गोमती देवी ने बाबा गैबीराम के देसी घी का भंडारा आयोजन किया। इस अवसर पर उन्होंने गांव के सार्वजनिक स्थानों पर बड, पीपल, नीम, बेलपत्र आदि के पौधे भी लगाए। उन्होंने कहा कि आज कल पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की जा रही, जिससे प्रदूषण लगातार बढ़ता जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण करते रहना चाहिए, साथ ही उनका संरक्षण भी करना चाहिए।

महेंद्रगढ़, नारनौल, अटेली, सतनाली, नांगल चौधरी व कनीना में झमाझम

शाम को हुई बरसात से तापमान में आई गिरावट, गर्मी से मिली राहत

राजस्थान पर एक निम्न दाब क्षेत्र पूर्वोत्तर राजस्थान और संलग्न पश्चिमोत्तर मध्य प्रदेश के ऊपर बना हुआ है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

मध्य प्रदेश पर बना चक्रवातीय सर्कुलेशन आज राजस्थान के जयपुर में तीव्र होकर कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। जिसके आंशिक असर की वजह से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम परिवर्तन शील बना हुआ है और लगातार मानसून की गतिविधियों को दर्ज किया जा रहा है। जिसकी वजह से सम्पूर्ण इलाके में लगातार बादलों की आवाजाही बनी हुई है। हरियाणा के पश्चिमी और दक्षिणी जिलों में तेज गति की हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश और बूंदा-बांदी और कुछ स्थानों पर मूसलाधार बारिश की गतिविधियों को दर्ज किया गया है। सम्पूर्ण इलाके में लगातार मौसम सुहावना बना हुआ है और दिन और रात के तापमान में गिरावट के साथ तापमान सामान्य से नीचे बने हुए हैं। मौसम विशेषज्ञ डॉ चंद्र मोहन ने बताया कि वर्तमान परिदृश्य में राजस्थान पर एक सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र पूर्वोत्तर राजस्थान और संलग्न पश्चिमोत्तर मध्य प्रदेश के ऊपर अवस्थित है। इससे जुड़ा ऊपरी हवा का चक्रवातीय परिसंचरण माध्य समुद्र तल से 7.6 किमी की ऊंचाई पर सक्रिय है। अगले दो दिनों के दौरान इसके राजस्थान से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर धीरे-धीरे आगे बढ़ने की संभावना बन रही है इस मौसम प्रणाली को लगातार बंगाल की खाड़ी से उर्जा के रूप में नमी मिल रही है क्योंकि बंगाल की खाड़ी पर भी एक नया सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र बंगाल की खाड़ी पर बना हुआ है। अगले 24 घंटों के दौरान इसके भी उत्तर पश्चिमी राज्यों राजस्थान से होते हुए हरियाणा के नजदीक से राजस्थान से होता हुआ पाकिस्तान पर जाने की प्रबल संभावना बन रही है। इसके अलावा वर्तमान में मानसून ट्रफ़ माध्य समुद्र तल पर बीकानेर, पूर्वोत्तर राजस्थान और संलग्न पश्चिमोत्तर मध्य प्रदेश के ऊपर बने एक सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र के केंद्र, सीधी, रांची, दक्षिण-पूर्व गंगीय पश्चिम बंगाल और संलग्न बांग्लादेश के ऊपर बने एक सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र के केंद्र तक विस्तृत है।

नारनौल। हलकी बारिश के बीच गुजरते दुपहिया वाहन चालक। फोटो:हरिभूमि

और बारिश की संभावना

इसके अलावा एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर आज रात को सक्रिय होने की वजह से एक चक्रवातीय सर्कुलेशन उत्तरी राजस्थान पर बनने की संभावना बन रही है। जिसकी वजह से मानसून टर्फ हरियाणा एनसीआर दिल्ली पर आने की आने वाले दिनों में हरियाणा एनसीआर दिल्ली में लगातार मानसून सक्रिय रहने की संभावना बन रही है। इन मौसम प्रणालियों के संयुक्त प्रभाव से 14-18 जुलाई के दौरान राजस्थान से सटे हरियाणा एनसीआर दिल्ली में विशेषकर हरियाणा के पश्चिमी और दक्षिणी जिलों में और कुछ मध्यवर्ती जिलों में लगातार मानसून बारिश की गतिविधियों को दर्ज किया जाएगा। जबकि शेष हरियाणा में बिखराव वाली हल्की बारिश बूंदा-बांदी की गतिविधियों की संभावना बन रही है।

प्रदेश के इन जिलों में बारिश

आज भी महेंद्रगढ़ जिला के साथ साथ सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, चरखी दादरी, रेवाड़ी, गुरुग्राम, पलवल, फरीदाबाद, नूंह मेवात में और उत्तरी हिस्सों पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर में तेज़ गति की हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश और बूंदा-बांदी की गतिविधियों को दर्ज किया गया है जबकि रोहतक, झज्जर, जींद, कैथल जिलों में बिखराव वाली हल्की बारिश बूंदा-बांदी की गतिविधियां देखने को मिल रही है। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर दिन और रात के तापमान सामान्य से नीचे बने हुए हैं और लगातार बादलों की आवाजाही और बारिश बूंदा-बांदी से सम्पूर्ण इलाके में लगातार मौसम सुहावना बना हुआ है।

जिले में हुई रुक रुक कर बरसात

सोमवार को जिला में मौसम प्रणालियों का आंशिक असर साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। सुबह से शाम तक लगातार बादलों की आवाजाही के बीच सम्पूर्ण जिला महेंद्रगढ़ में महेंद्रगढ़, नारनौल अटेली सतनाली नांगल चौधरी और कनीना में रूक रूक कर हल्की बारिश बूंदा-बांदी की गतिविधियों को दर्ज किया गया है। सम्पूर्ण इलाके में मौसम सुहावना बना हुआ है। जिसकी वजह से सम्पूर्ण इलाके में लगातार तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है और दिन और रात के तापमान सामान्य से नीचे बने हुए हैं। सोमवार जिला महेंद्रगढ़ में नारनौल और महेंद्रगढ़ का दिन और रात का तापमान क्रमश 32.0,24.8 डिग्री सेल्सियस और 31.2,24.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। जिला में सोमवार दिन के तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस सामान्य से नीचे बने हुए हैं।

समाधान शिविर में 105 नागरिकों ने रखी अपनी अपनी समस्याएं

- एडीसी बोले-एक सप्ताह में दें शिकायतकर्ता को जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा सरकार की जनहितैषी पहल समाधान शिविर नागरिकों के लिए एक सशक्त मंच बनकर उभरी है। इस प्लेटफार्म पर वे अपनी समस्याओं को सीधे प्रशासन के समक्ष रख सकते हैं। इसी कड़ी में लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में अतिरिक्त उपायुक्त सुशील कुमार व पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। सोमवार को 105 नागरिकों ने अपनी विभिन्न सार्वजनिक और व्यक्तिगत समस्याओं को रखा। इनमें से अधिकांश का मौके पर ही निवारण किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों को संबोधित करते हुए एडीसी ने बताया कि यह हरियाणा सरकार की एक अभिनव पहल है, जो आम जनता को बिना किसी संकोच के अपनी हर तरह की कठिनाइयों को सीधे प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रत्येक शिकायत को समाधान पोर्टल पर अपलोड किया जाता है।

नारनौल। समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनते एडीसी सुशील कुमार।

बरसात से खेतों में जलभराव के कारण फसलें बर्बादी के कगार पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

पिछले चार दिनों से लगातार हो रही बरसात से खेतों में जलभराव के कारण किसानों की बाजरा व कपास की फसलें बर्बादी के कगार पर हैं। इससे किसानों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। बहुजन समाज पार्टी के नेता समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने क्षेत्र के गांव बाघोत, सिहोर, स्याणा, नौताना, पोता, धनौन्दा, पाथेड़ा, खेड़ी तलवाना, सेहलंग, खरकड़ा बास, कैमला, अगिहार, बोचड़िया, कारिया, सलीमपुर, उनींदा, धनुन्दा, पड़तल, भोजावास, गोमला, इसराना, मोहनपुर, नांगल गांवों का दौरा कर खेतों में जल भराव की समस्या का जायजा लेने के बाद कहा कि पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में हो रही भारी बरसात के कारण खेतों में पानी भर गया है। अनेक गांवों के खेतों में दो से तीन फुट पानी जमा है। जिससे बाजरा तथा कपास की फसलें बर्बाद हो गई हैं। खेतों में जल भराव के कारण फसलों की जड़े गलने लगी हैं। कई जगह कपास की फसलें खेतों में सड़ गई हैं। अतरलाल ने राज्य सरकार व जिला प्रशासन से विशेष गिरदावरी करवाकर मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने किसानों को फसल खराबा का 40 हजार रुपये प्रति एकड़ की दर से मुआवजा देने की मांग की, ताकि किसानों को इस प्राकृतिक आपदा से राहत मिल सके। जलभराव से किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया है।

नारनौल। खेतों में जलभराव की समस्या का जायजा लेते बसपा नेता अतरलाल। फोटो: हरिभूमि

सड़क नियमों का पालन करें और दूसरों को भी प्रेरित करें

- सीजीएम नीलम कुमारी ने सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली को झंडी दिखाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) की ओर से सोमवार को सूरज सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सड़क नियम जीवन के औजार अभियान के तहत एक जागरूकता शिविर तथा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरेंद्र सूरा के निर्देशानुसार तथा सीजेएम एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव नीलम कुमारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के तौर पर अपने संदेश में सीजेएम नीलम कुमारी ने कहा कि एक नागरिक के रूप में हमारी जिम्मेदारी है कि हम इन नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। बच्चों को शुरू से ही सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में सिखाना चाहिए। शिविर के दौरान उपस्थित ड्राइवरों, कंडक्टरों, छात्रों और स्कूल स्टाफ सदस्यों को सड़क सुरक्षा कानूनों व यातायात नियमों के बारे में विस्तार से जागरूक किया। सीजेएम ने आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 13 सितंबर के साथ नालसा हेल्पलाइन 15100 और डीएलएसए हेल्पलाइन 01282250322 के बारे में भी जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर सीजेएम नीलम कुमारी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी किया। शिविर में सूरज स्कूल के निदेशक संदीप प्रसाद यादव और समन्वयक अगम भी उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त टेकचंद यादव, एसएचओ यातायात अनिल कुमार व सुरेश कुमार अधिवक्ता ने भी दर्शकों को यातायात नियमों के बारे में जानकारी दी।

नारनौल। सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली को रवाना करती सीजीएम नीलम कुमारी।

राज्य स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी के आयोजन की घोषणा, अगस्त में होगी

- उपनिदेशक एससीईआरटी ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों एवम मौलिक शिक्षा अधिकारियों को सौंपा है जिम्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम की ओर से राज्य स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन सितंबर माह के प्रथम सप्ताह में किया जाएगा। इस संदर्भ में अपने आदेश में उपनिदेशक एससीईआरटी ने राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों एवम मौलिक शिक्षा अधिकारियों को विज्ञान संगोष्ठी के आयोजन का जिम्मा सौपा है । अपने आदेश में उप निदेशक एनसीईआरटी ने कहा है कि राज्य स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन का कार्य शिक्षा विभाग द्वारा परिषद के माध्यम से किया जाएगा। यह संगोष्ठी खंड स्तर से शुरू होकर राज्य स्तर तक आयोजित की जाएगी। अपने आदेश में उपनिदेशक ने खंड स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन 13 अगस्त तक और जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 22 अगस्त तक संपन्न करवाने के निर्देश दिए हैं। इस संदर्भ में जिला विज्ञान विशेषज्ञ को यह निर्देश प्रदान किए गए हैं कि प्रतियोगिता के विषय में व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए एवं स्तरीय व्यवस्था की जाए ताकि किसी तरह भ्रम की स्थिति ना रहे। 25 अगस्त तक जिला स्तरीय परिणाम तैयार कर एससीईआरटी गुरुग्राम को भेजने के निर्देश भी दिए गए हैं।

यह रहेगी रूपरेखा

क्वांटम युग का आगाज- संभावना एवं चुनौतियां रखा गया है। प्रतियोगिता में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अथवा हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के कक्षा आठवीं से 10वीं तक के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। विद्यार्थी हिंदी, अंग्रेजी या किसी मान्यता प्राप्त भाषा में अपनी प्रस्तुति दे सकेंगे। प्रस्तुतीकरण की अवधि पांच से छह मिनट की रहेगी। तत्पश्चात दो मिनट का प्रश्न सत्र रहेगा जिसमें प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से प्रतिभागी के लिए दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य रहेगा। प्रतियोगिता में चार्ट, पोस्टर, कंप्यूटर आधारित पीपीटी या पीपीएस तथा अन्य दृश्य सहायक सामग्रियों का प्रयोग किया जा सकेगा। प्रतियोगिता के परिणाम योजना के लिए 100 अंकों का निर्धारण किया गया है। वैज्ञानिक विषय वस्तु के 40 अंक, दृश्य सामग्री नवीनता के 15 अंक, वाक प्रवाह के 25 अंक, प्रश्नों के उत्तर देने की क्षमता के लिए लिखित परीक्षा के 10 एवम मौखिक परीक्षा के 10 अंक निर्धारित किए हैं। इस आधार पर परिणाम तैयार कर 25 अगस्त तक परिषद को भेजना होगा। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के बाद अक्तूबर माह में राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन 30 अक्तूबर को विश्वेश्वरैया औद्योगिक एवम तकनीकी संस्थान बंगलुरु में किया जाएगा।

श्री सीताराम शिव मंदिर ट्रस्ट के प्रधान बने बद्रीप्रसाद गर्ग

- श्री सीताराम शिव मंदिर ट्रस्ट नई मंडी नजदीक राजीव चौक की आम सभा की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

श्री सीताराम शिव मंदिर ट्रस्ट नई मंडी नजदीक राजीव चौक की आम सभा की बैठक वरिष्ठ कार्यकर्ता ओमप्रकाश सिंगल की अध्यक्षता में मंदिर परिसर में हुई। सर्वप्रथम ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष पदमचंद गर्ग ने अब तक का लेखा जोखा प्रस्तुत किया, जिसको सर्वसम्मति से पास किया गया। संरक्षक सत्यनारायण गुप्ता ने बताया कि ट्रस्ट के चुनाव हर तीन वर्ष में सर्वसम्मति से किए जाते हैं। इस परंपरा को निभाते हुए कार्यकारिणी का कार्यकाल पूरा होने पर ट्रस्ट के महासचिव बद्रीप्रसाद गर्ग को उनकी पूर्व की कार्यशाली को देखते हुए सर्वसम्मति से प्रधान बनाया गया। इनके अलावा ओमप्रकाश तायल को उपप्रधान, जितेंद्र कंछल को महासचिव, सोहनलाल गोयल को सहसचिव, पंकज बंसल को कोषाध्यक्ष, भारत भूषण तायल को सुंदरकांड पाठ समिति का संयोजक व रमेश चंद सिंघल को प्रेस सचिव सर्वसम्मति से चुना गया। नवनियुक्त प्रधान बद्रीप्रसाद गर्ग ने कहा कि सभी को साथ लेकर मंदिर की व्यवस्था व तरक्की के लिए कार्य करने का प्रयास करेंगे। वहीं शीघ्र पदाधिकारी की बैठक बुलाकर कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा। सतनारायण गुप्ता को संरक्षक बनाया गया। इस मौके पर पूर्व उपप्रधान हीरालाल मित्तल, पदमचंद गर्ग, विमल गोयल दताल, जितेंद्र कंछल, टेकचंद तायल, मंडी प्रधान रामजीलाल मित्तल, विष्णु गर्ग, भारत भूषण गोयल, भारत भूषण तायल, रमेश चंद आदि मौजूद रहे।

नारनौल। बैठक में मौजूद ट्रस्ट के सदस्य।

आईटीआई में आयोजित जॉब मेला में 154 छात्रों का चयन

नारनौल। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित जॉब मेले में 154 छात्रों का चयन किया गया। प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल ने बताया कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग की ओर से जारी दिशा निर्देशानुसार के समय समय पर जॉब मेलों का आयोजन किया जाता रहता है। इस मेला में वेल्डर, शीट मैटल, फिटर, इलेक्ट्रीशियन, टर्नर व व्यवसाय कोर्स की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को अप्रेंटिस तथा ट्रैनी ऑपरेटर के तौर पर चयन किया। इस अवसर पर शिक्षुता एवं प्लेसमेंट अधिकारी सुदर्शन कुमार ने बताया कि मेले में विभिन्न कंपनीयों से आए एचआर मैनेजर ने आईटीआई पास आउट छात्रों का चयन साक्षात्कार के माध्यम से किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

सीईआईआर पोर्टल से मिली बड़ी कामयाबी

मिले 40 मोबाइल को पुलिस ने मालिकों को सौंपे

- शिकायत रजिस्टर्ड होने पर मोबाइल का आईएमईआई हो जाता है ब्लॉक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

पुलिस की साइबर सेल टीम ने तकनीकी सूझबूझ से गुम हुए 40 मोबाइल बरामद किए हैं। जिनको पुलिस ने उनके मालिकों को लौटाया है। इन मोबाइल की कीमत 15 हजार से लेकर एक लाख रुपये तक थी। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ मौजूद रही। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों को उनके खोए मोबाइल फोन लौटाए। एसपी ने कहा कि नागरिकों की खोई हुई वस्तुएं लौटाना सिर्फ ड्यूटी नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारी है। जितनी खुशी आपको फोन मिलने पर हो रही है, उतनी ही हमें आपकी मुस्कान देखकर होती है। इस अवसर पर सीईआईआर पोर्टल के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार की ओर से चलाए गए इस पोर्टल की खासियत यह है कि इस पर शिकायत रजिस्टर्ड करने उपरांत मोबाइल का आईएमईआई ब्लॉक हो जाता है और मोबाइल ट्रेस होने उपरांत शिकायतकर्ता को सूचना दी जाती है। पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से करीब 15 लाख रुपये की कीमत के 40 खोए हुए फोन वापस दिलाए। पुलिस ने गुम हुए विभिन्न ब्रांड्स के 40 महंगे स्मार्टफोन को खोजकर उनके मालिकों को सुपुर्द किया गया। पुलिस ने बताया कि लोगों के भीड़भाड़ वाले स्थानों, बाजारों, ऑटो या बस में तथा सुबह शाम टहलते समय भी मोबाइल गिर गए थे, या कहीं छूट गए थे। पुलिस ने इन सभी फोन के गुम होने के पीछे कई कारणों को चिह्नित किया है। कुछ फोन ऐसे हैं जो भीड़भाड़ वाले बाजारों, सब्जी व फलों की मंडियों, बाजारों में सामान खरीदते समय नीचे झुकने, बैठने में गिर गए थे।

नारनौल। मोबाइल फोन लौटाती एसपी पूजा वशिष्ठ। फोटो: हरिभूमि

मोबाइल ट्रैक व ब्लॉक करने की प्रक्रिया समझाई

अगर आपका मोबाइल गुम/चोरी हो जाए तो सीईआईआर पोर्टल पर जाएं और विकल्प चुनें। फॉर्म में मोबाइल नंबर, आईएमईआईए ब्रांड, मॉडलए खोने की तारीख, पहचान पत्र व मोबाइल की रसीद जैसी जानकारी भरें। जानकारी भरने के बाद आपको एक रिक्वेस्ट आईडी मिलेगी। जिससे आप अपनी शिकायत की स्थिति ट्रैक कर सकेंगे।

पार्षद बचनाई नाथ ने किया बोरवेल का शुभारंभ

सतनाली मंडी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जिला पार्षद योगी बाबा बचनाई नाथ ने बोरवेल खुदवाने के काम आरंभ किया। बता दें कि बाबा बचनाई नाथ ने लंबे समय से चली आ रही मूलभूत आवश्यकता को पूरा करने का सराहनीय कार्य किया है। बाबा बचनाई नाथ पूर्व समय में इसी विद्यालय के छात्र भी रहे हैं। इस अवसर बाबा ने एक पौधा भी लगाया। इस मौके पर समाजसेवी दीवान सिंह शेखावत, मा. हरिसिंह, विनोद श्यामपुरिया, विनोद गोठवाल, पथरवा से पंडित मुरारीलाल शर्मा, मा. जयसिंह, मा. तुलसीराम सोहदी, ओमप्रकाश डागर, ठेकेदार दिनेश कुमार आदि मौजूद थे।